गुलाम से आदमी

फ्रेडरिक डगलस

टेरी वेस्ट

गुलाम से आदमी

फ्रेडरिक डगलस

फ्रैडरिक डगलस की

आत्मकथा पर आधारित

फ्रेडरिक डगलस का जीवन

कई क्लासिक किताबें लेखकों की कल्पना से उपजती हैं. पर यह पुस्तक एक सच्ची ज़िन्दगी पर आधारित है.

फ्रैडरिक डगलस गुलामी में बड़े हुए. 20 साल तक उन्होंने अन्य लोगों के खेतों में काम किया. उन्होंने लोगों के घरों में लकड़ियां काटीं. उन्होंने अन्य लोगों के बच्चों की देखभाल की.

पर 1838 में वो गुलामी से भाग निकले. उन्होंने गुलामी के ज़ुल्मों को बताने के लिए एक पुस्तक लिखी.
वो लोगों को समझाना चाहते थे कि गुलामी गलत थी.
उनकी लिखी पुस्तक अमरीकी इतिहास में सबसे प्रसिद्ध आत्मकथा बनी.

"आपने देखा है कि आदमी को गुलाम कैसे बनाया गया," फ्रैडरिक डगलस ने लिखा "अब आप देखेंगे कि वो गुलाम से आदमी कैसे बना."

मेरीलैंड में मेरा जन्म हुआ. मैं अपनी माँ को बहुत कम ही जान पाया. जब मैं एक छोटा बच्चा था तभी माँ के मालिक ने उन्हें मुझसे छीन लिया. मेरी उम्र क्या है यह भी मुझे नहीं पता?
गुलाम अपनी उम्र के बारे में घोड़ों जितना ही जानते है.

मेरी माँ का नाम हेरिएट बेली था. मैंने बचपन में उन्हें केवल चार-पांच बार ही देखा. वो मुझसे कोई 12 मील दूर रहती थीं.
वो पूरे दिन भर काम करती थीं. मुझे देखने के लिए वो रात में चलकर आती थीं. वो मुझे गाना गाकर सुलाती थीं. जब मैं सुबह उठता तब तक वो चली गईं होती थीं.

खेतों में काम करने के लिए मैं बहुत छोटा था. इसलिए मुझे बगीचे में मुर्गियां भागने का काम मिला.

अच्छा काम करो! नहीं तो पीठ पर कोड़ा पड़ेगा!
मेरी बहुत पिटाई नहीं होती थी. लेकिन मैं बहुत भूखा रहता था और ठंड भी लगती थी.
रात में सोने के लिए कोई पलंग नहीं था. मैंने एक बड़ा बोरा चुराया. मैं बोरे में घुसकर ठंडे, गीले फर्श पर सो जाता था.

डिनर में मुझे उबला हुआ मक्का खाने को मिलता था. वो एक बड़ी लकड़ी की ट्रे में ज़मीन पर रख दिया जाता था. फिर बच्चों को खाने के लिए बुलाया जाता था. खाना हमेशा बहुत कम होता था.

तेजी से काम करो! आलसी कुत्तों!
हमारा ओवरसियर प्लमर नाम का एक आदमी था. उसका काम गुलामों से काम करवाना था. वो एक राक्षस था. उसके हाथ में हमेशा एक कोड़ा और एक डंडा होता था.

एक दिन उसने मेरी मौसी हेस्टर के हाथ-पैर बांधे.
मैं हुक्म न मानने का तुम्हें सबक सिखाऊंगा.

फिर उसने उनको बहुत पीटा. वो बहुत रोईं और प्रार्थना कीं. लेकिन वो राक्षस रुका नहीं. वो एक भयानक अपराध था.

बाद में मैंने कई बार ऐसी पिटाई होती हुए देखी.

जब मैं सात या आठ साल का था, तो मेरे मालिक ने मुझे कहीं और भेज दिया.
तुम्हें कुछ दिनों में यह घर छोड़ना पड़ेगा, फ्रेडरिक.

मैं बाल्टिमोर एक नाव में गया.
जाते समय मैंने पीछे मुड़कर भी नहीं देखा.

उन्होंने बताया कि मैं बाल्टिमोर जाऊंगा. वहां मैं उनके एक रिश्तेदार ह्यू ऑल्ड के साथ रहूंगा. मुझे जाने का कोई दुःख नहीं हुआ. मैं तीन दिनों तक नदी में रगड़-रगड़ कर नहाया. मैं अपनी चमड़ी से खेत की गंदगी साफ़ करना चाहता था.

मिस्टर और मिसेज़ ऑल्ड ने दरवाजे पर मेरा स्वागत किया. उनका छोटा बेटा थॉमस उनके साथ था. मेरा काम बच्चे की देखभाल करना था.
तुम्हारा स्वागत है, फ्रेडरिक.
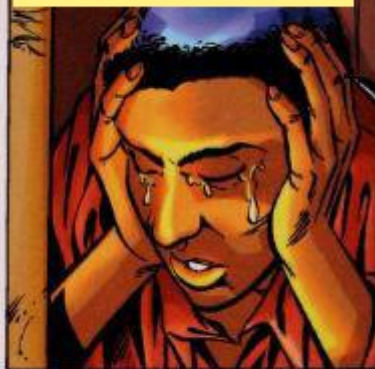
सोफ़िया ऑल्ड ने मुझे पढ़ाने का फैसला किया.
जल्द ही तुम मेरे लिए पढ़ रहे होगे!
उन्होंने पहले कभी गुलाम नहीं रखा था. उनकी नेक दिली देखकर मुझे बड़ा ताज़ुब हुआ.
तुम एक गुलाम को पढ़ना नहीं सिखा सकती हो! यह खतरनाक है और कानून के खिलाफ है.
एक दिन मिस्टर ऑल्ड को असलियत का पता चला. उन्होंने पत्नी से मुझे पढ़ाने को मना किया.

यदि तुम फ्रेडरिक को पढ़ाओगी तो उसे लगेगा कि वो हमारे ही बराबर का है.
फिर वो दुखी होगा और सोचेगा कि उसे गुलाम नहीं होना चाहिए.

और फिर इन विचारों को वो अन्य दासों तक फैलाएगा.
मिस्टर ऑल्ड के शब्द मेरे दिल की गहराई में बैठ गए. अब मुझे स्वतंत्रता का रास्ता दिखा. मुझे पढ़ना-लिखना सीखना ही पड़ेगा.

गुलाम रखने के बाद मिसेज़ ऑल्ड बिल्कुल बदल गयीं. उनका दिल पत्थर जैसा कठोर हो गया. अगर वो मुझे अख़बार पढ़ते हुए देखतीं तो उसे मेरे हाथ से छीन लेतीं.
मैं कितनी बार तुम्हें बताऊंगी?
तुम्हें नहीं पढ़ना चाहिए!
लेकिन मैंने हार नहीं मानी. मैंने सड़क के गोरे लड़कों के साथ दोस्ती बनाई. मैं उन्हें डबलरोटी देता और वे मुझे पढ़ना सिखाते.
यह देखो, फ्रेडरिक. "घर" इस तरह लिखा जाता है.
HOUSE

सोमवार वाले दिन मुझे घर में अकेले छोड़ दिया जाता था. तब मैं पूरे दिन लिखता था. मैं थॉमस की कॉपी के खाली स्थानों में लिखता था.
मैंने उसकी लिखाई की नक़ल करता था. धीरे-धीरे, मेरी लिखाई भी थॉमस जैसी ही दिखने लगी.

मैंने कई साल संघर्ष किया. अंत में मैं लिखना-पढ़ना सीख गया.

मिस्टर ऑल्ड ने एक बात बिलकुल सही कही थी. क्योंकि अब मैं पढ़ने लगा था इसलिए मुझे अब गुलाम बने रहना पसंद नहीं था.

अब मैं कोई बारह साल का था. मैं जितना अधिक पढ़ता, मुझे गुलामी से उतनी ही अधिक नफरत होती.

मैं ... पूरे जीवन भर गुलाम नहीं बना रहूंगा!

जब मैं 14 साल का हुआ तो मुझे प्लांटेशन पर वापिस भेज दिया गया.

मेरा नया मालिक बहुत क्रूर था. वौ गुलामों को हमेशा भूखा रखता था.

तुम शहरी जीवन से नरम हो गए हो! अब जाओ, मेरा घोड़ा लेकर आओ.

मालिक मुझसे हमेशा नाखुश रहता था. मैं उसके घोड़े को बार-बार भागने देता था.

घोड़े को भागने देने का एक कारण था. फिर मैं पांच मील दौड़कर घोड़ा पकड़ने के लिए दूसरे फार्म पर जाता था. वहां मुझे हमेशा कुछ अच्छा खाने को मिलता था!

मेरे मालिक को वो बर्दाश्त नहीं हुआ. उसने मुझे एक दूसरे आदमी एडवर्ड कौवे के साथ रहने भेज दिया. कोवे, गुलामों की हड्डियां और उनकी आत्मा तोड़ने के लिए मशहूर था.

कोवे हर हफ्ते मुझे पीटता था.
मेरी बात सुनो नहीं तो मैं तुम्हें फिर से कोड़ा मारूंगा!
कोवे हम से हर मौसम में काम करवाता था - चाहें भीषण गर्मी हो या ठंड. हम बारिश और स्नो में भी काम करते थे.
थोड़ी बारिश से किसी को चोट नहीं पहुंचती!
लगता है तुम कभी नहीं सीखोगे?
मिस्टर कोवे ने मेरी जमकर पिटाई की. मेरा शरीर और आत्मा दोनों टूट गए. लगभग ...
एक दिन मिस्टर कोवे ने मुझे अच्छा सबक सीखने का मन बनाया. वो अस्तबल में एक लंबी रस्सी लेकर आया. उसने मुझे धक्का दिया और मुझे बांधने की कोशिश की. उसे लगा कि उसने मुझ पर काबू पा लिया है.
क्या.... आप यह क्या कर रहे हैं?
लेकिन मुझ में अभी भी कुछ दम बाकी बचा था.
मैंने उसे कसकर पकड़ा.
पिछले छह महीने तुमने मुझे एक जानवर की तरह पीटा है!
अब मुझे कोई परवाह नहीं है. अब मैं और बर्दाश्त नहीं करूंगा.
फिर हम दो घंटों तक आपस में लड़ते रहे.
अंत में मिस्टर कोवे ने मुझे छोड़ दिया.

मिस्टर कोवे के साथ मेरा साल ख़त्म हुआ. फिर मुझे एक नए मालिक के साथ रहना पड़ा. वहां मैंने गुलामों को पढ़ना सिखाना शुरू किया. हमारी हरेक क्लास गोपनीय होती थी.

मैंने गुलामों से स्वतंत्रता के बारे में बात की. वे उसके लिए कुछ करने को तैयार थे. फिर मैंने एक योजना बनाई.

मैंने हरेक गुलाम के लिए "पास" लिखे. अगर कोई हमें रोकता तो हम उसे अपना "पास" दिखाते. कोई इस बात का यकीन नहीं करता कि किसी गुलाम ने उन्हें लिखा था.

हमारे भागने का दिन आया. जब मैं सुबह उठा तो मुझे कुछ गड़बड़ लगा. ऐसा लगा जैसे कोई गलती हुई हो.

मैं सही था. किसी ने हमारी योजना लीक कर दी थी. हम सभी को गिरफ्तार किया गया. हम खुशकिस्मत थे कि उन्होंने हमें फांसी पर नहीं लटकाया.

फिर भी मैंने हमेशा मेहनत से काम किया. मैं मालिक को यह दिखाना चाहता था कि मैं खुश था. मैं नहीं चाहता था कि वो यह महसूस करे कि मैं वहां से भागने की योजना बना रहा था. फिर एक दिन मैं वहां से भाग गया... ....
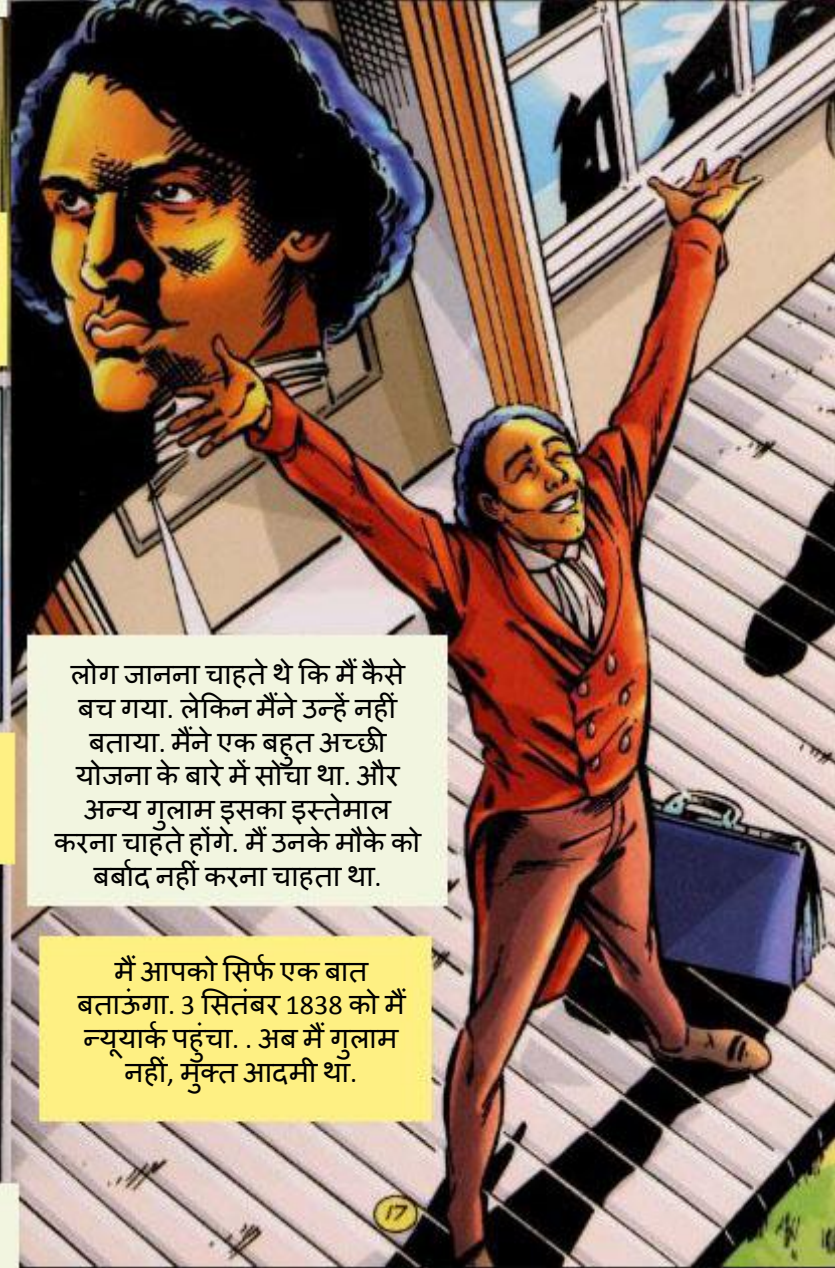
लोग जानना चाहते थे कि मैं कैसे बच गया. लेकिन मैंने उन्हें नहीं बताया. मैंने एक बहुत अच्छी योजना के बारे में सोचा था. और अन्य गुलाम इसका इस्तेमाल करना चाहते होंगे. मैं उनके मौके को बर्बाद नहीं करना चाहता था.

मैं आपको सिर्फ एक बात बताऊंगा. 3 सितंबर 1838 को मैं न्यूयार्क पहुंचा. . अब मैं गुलाम नहीं, मुक्त आदमी था.

उत्तरी अमरीका को गुलामी का विरोध करना ही चाहिए!

गुलामी भगवान ने नहीं बनाई है, उसे आदमी ने बनाया है!
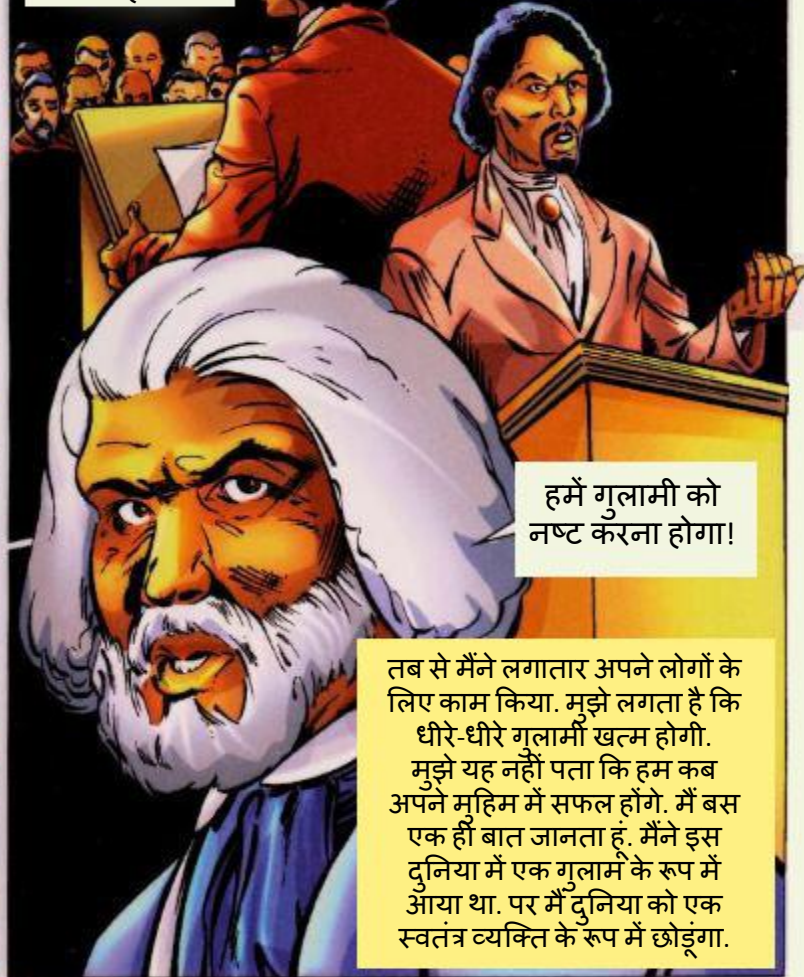
हमें गुलामी को नष्ट करना होगा!

तब से मैंने लगातार अपने लोगों के लिए काम किया. मुझे लगता है कि धीरे-धीरे गुलामी खत्म होगी. मुझे यह नहीं पता कि हम कब अपने मुहिम में सफल होंगे. मैं बस एक ही बात जानता हूं. मैंने इस दुनिया में एक गुलाम के रूप में आया था. पर मैं दुनिया को एक स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में छोड़ूंगा.

उसने सारी ज़िन्दगी गुलाम बने रहने से इंकार किया!

- यह एक सच्ची कहानी है.

- फ्रेडरिक डगलस का जन्म मैरीलैंड के बाल्टीमोर में एक दास के रूप में हुआ था. मालिक ने कहा कि फ्रेडरिक कभी भी स्वतंत्र नहीं होगा.

- मालिक ने यह भी कहा कि फ्रेडरिक पढ़ना-लिखना भी कभी नहीं सीखेगा. उस समय, गुलामों के पढ़ने-लिखने के खिलाफ कानून था.

- लेकिन फ्रेडरिक ने पढ़ना सीखने की ठानी और ऐसा करने के बाद, उसने गुलामी से बचने का रास्ता भी खोज निकाला.